ईगो इक नशा है

ईगो इक नशा है इसे छोड़ कर देखो,
जीवन को थोड़ा सा मोड़ कर देखो,

ईगो की बजा से है सारे विबाद,
ईगो की बजा से है ढंगे फसाद,
ईगो की वजा से बिगड़ ती है बात ईगो की बजा है से ही होते तलाक,
ईगो तो है लाठी इसे तोड़ कर फेको,
जीवन को थोड़ा सा मोड़ कर देखो,

किसी को झुकना है तो झुकना पड़े,
रोकना है किसी को तो रुकना पड़े,
समझोते का अवसर निकलने लगा,
ऐसा न हो के आगे जाके टूटना पड़े,
दूरिया घटे गी हाथ जोग कर देखो.
जीवन को थोड़ा सा मोड़ कर देखो....

छोड़ो गे तो रास्ता तो रस्ते खुले,
खुशियों के द्वार तेरे वास्ते खुले,
वधा बनाओ गे तो वाधा मिले गी,
मोहन बनो गे तो राधे मिले गी,
राधे मोहन जैसा रिश्ता जोड़ कर देखो,
जीवन को थोड़ा सा मोड़ कर देखो,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8158/title/ego-ek-nasha-hai-ise-chod-kar-dekho-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |